समाचार पत्र

द रुरल कनेक्ट

खंड 7 अंक 4 अप्रैल 2021 www.mgncre.org

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

"कौशल, पुन: कौशल, कौशल विकास"

उद्धृत - माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर बैठकों का एक सिलसिला लिया। उन्होंने कहा, "आत्मनिर्भर भारत सिर्फ एक अभिव्यक्ति नहीं है। लेकिन एक मिशन जिसके साथ हमारी पहचान जुड़ी हुई है। आत्मनिर्भर भारत की यह पहचान एन.ई.पी. 2020 के कार्यान्वयन से हासिल की जा सकती है। शिक्षा से स्थानीय रोजगार पैदा होने चाहिए। डिग्री कॉलेज शिक्षा को "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट" योजना के साथ जोड़ा जाना चाहिए। एन.ई.पी. 2020 के साथ, कृषि शिक्षा का डिजाइन महत्वपूर्ण मुद्दों का संज्ञान करते हुए स्थानीय ज्ञान और उभरती हुई तकनीकों को समझने और उपयोग करने की क्षमता के साथ विकासशील पेशेवरों की ओर बढ़ेगा।

श्री रमेश पोखरियाल ने 'आत्मनिर्भर भारत के लिए शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास' पर आभासी सत्र में संबोधित करते हुए कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि जैसे-जैसे हम आतनिर्भरता की ओर बढ़ते हैं, यह अनिवार्य हो जाता है कि हमारे उच्च शिक्षा संस्थान और उद्योग एक साथ आए। एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करें जो लचीलापन लाता है, नवाचार को प्रेरित करता है, और स्थिरता को बढ़ावा देता है। भारत अपने अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से पूरी दुनिया को लाभान्वित करने के लिए जाना जाता है। इस प्रकार, एक ओर, नीति के गठन की सिफारिश की जाती है शिक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी पर विचारों के मुक्त आदान-प्रदान के लिए एक व्यवस्थित मंच प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच (एन.ई.टी.एफ.) करती है। दुसरी ओर, नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एन.आर.एफ.) की स्थापन उत्कृष्ट शोध का समर्थन करेगी और हमारे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देगी।

"10 हजार से अधिक स्कूलों ने अपने पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा को लागू किया है"

नेशनल डिजिटल एजुकेशनल आर्किटेक्चर (एन.डी.ई.ए.आर.) की स्थापना एक डिजिटल फर्स्ट माइंडसेट के संदर्भ में एक और उपलब्धि है, जहाँ डिजिटल आर्किटेक्चर न केवल शिक्षण और शिक्षण गतिविधियों का समर्थन करेगा बल्कि केंद्र और राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों की शैक्षिक योजना, शासन प्रशासनिक गतिविधियाँ का भी समर्थन करेगा ।

शिक्षा मंत्रालय ने ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के साथ मिलकर ए.आई.सी.टी.ई. ने नेशनल एजुकेशनल अलायस फॉर टेक्नोलॉजी (एन.ई.ए.टी.2.0) भी लॉन्च किया। - आत्मनिर्भर भारत पहल की दिशा में एक बड़ा कदम, क्योंकि एन.ई.ए.टी. ने पहले से ही घरेलू स्तर की एड्युटेक कंपनियों को वैश्विक स्तर पर बढ़ने में मदद की है। तकनीकी-समझदार शिक्षकों और छात्रों सहित उद्यमियों की रचनात्मकता के साथ संबद्ध तकनीकी विकास की विस्फोटक गति को देखते हुए, यह निश्चित है कि प्रौद्योगिकी शिक्षा को कई तरीकों से प्रभावित करेगी। 15 से अधिक विदेशी देशों के साथ नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के आभासी संस्करण में संबोधित करते हुए, श्री रमेश पोखरियाल ने युवाओं से पुस्तक पढ़ने का आग्रह किया क्योंकि पुस्तकें चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण का स्रोत हैं। उन्होंने **दीक्षा** https://diksha.gov.in पर मुफ्त में कहीं भी, कभी भी कई भाषाओं में उपलब्ध पाठ्यक्रम-आधारित ई-संसाधनों और सक्रिय पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करने के लिए छात्रों से आग्रह किया।

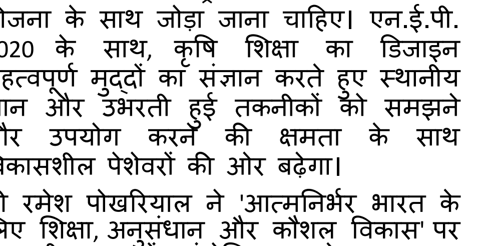

व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'वन डिस्ट्रिक्ट वन ट्रेड एप्रोच' - डॉ. श्रीधर श्रीवास्तव निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. एम.जी.एन.सी.आर.ई.-यूनेस्क चेयर आत्मनिभर भारत - राष्ट्रीय ऑनलाइन परामर्श कार्यशाला एन.सी.ई.आर.टी. और एस.सी.ई.आर.टी. निदेशकों के साथ संबोधित करते हुए।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. - कोविड समय के दौरान एक चैंपियन परफॉर्मर

245608 छात्रों ने व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम-अनुभवात्मकक्षा पर **2496** कार्यशालाओं में भाग लिया; सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण व्यस्तता; ग्रामीण उद्यमिता विकास; और स्वच्छता कार्य योजना

28149 संस्थागत प्रमुखों और संकाय सदस्यों ने कार्यशालाओं में भाग लिया

अध्यक्ष कुलपति, संस्थानों के प्रमुखों ने कार्यक्रमों में भाग लिया

57593 कार्य/ व्यावसायिक योजनाओं का गठन किया गया

38108 व्यावसायिक शिक्षा कार्य योजना

11675 सामाजिक उद्यमिता व्यवसाय योजना

9379 ग्रामीण उद्यमिता व्यवसाय योजना

9967 संस्थागत सेल का गठन

व्यावसायिक शिक्षा के लिए **3662** सेल

सामाजिक उदयमिता के लिए **2260** सेल

ग्रामीण उदयमिता के लिए **2202** सेल

स्वच्छ कार्य योजना के लिए **1843** सेल

52 संकाय विकास कार्यक्रम

छात्रों और संकाय ने कोविड-19 समय में सार्वजनिक स्वच्छता की आवश्यकता पर संवेदनशीलता व्यक्त की।

15 स्थायी समितियों का गठन

एम.जी.एन.सी.आर.ई. यूनेस्को चेयर - अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता के लिए आत्मनिर्भरता कार्यशालाएँ - विश्वविद्यालयों / उ.शि.सं./ एस.सी.ई.आर.टी. में लंबे समय में आत्मनिर्भरता के लिए अग्रणी संस्थागत कक्षों की व्यावसायिक गतिविधियों की सहायता और निगरानी के लिए।

राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 के साथ संरेखण में काम किया

एक दिवसीय - 155 वेबिनार आयोजित - एक **राष्ट्रीय रिकॉर्ड**

विशेषज्ञता साझा करने के लिए उ.शि.सं.के साथ **66 समझौता ज्ञापन** / उदयोग-अकादमिक मीट / किसान निर्माता संगठनों एफपीओ के साथ जुड़ना ग्रामीण शैक्षिक प्रबंधन और नई तालीम / **35** एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर 565 शैक्षिक वीडियो / **32** पाठ्यपुस्तकें

और... एजेंडा और काम का ढांचा आगामी वित्तीय वर्ष के लिए तैयार किया गया है
2021-2022 ....

संपादक की टिप्पणी

कोविड 19 महामारी की उपलब्धियों और आशंकाओं के बीच मिश्रित भावनाओं के बीच, मैं अभूतपूर्व काम और परिणामों का एक वर्ष आगे लाता हूं - जैसा कि वितीय वर्ष 2020-2021 करीब आ रहा है। हालांकि यह दुनिया के लिए अत्यधिक चुनौतियों का वर्ष था, एक स्थिति ने अभूतपूर्व कोविड 19 महामारी द्वारा लगभग परे माप को बढ़ाया, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अपनी ताकत पर खेलना जारी रखा और एक स्थिर और अभूतपूर्व प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अपने संवैधानिक जनादेश का पालन करते हुए, शैक्षिक क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों पर विचार किया और ऐसे रचनात्मक बदलाव लाए, जो परिषद को चलाते रहे। गंभीर कोविड 19 आपदा के बावजूद, एम.जी.एन.सी.आर.ई. कई क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों को आगे ले जाने में सफल रही है, हालांकि महामारी ने इसे पटरी से उतारने की धमकी दी थी। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने नई तकनीक - डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन कार्यक्रमों को तेजी से अपनाया और यह सुनिश्चित किया कि काम में कोई बाधा न आए। परिषद ने एक समर्पित क्रॉस-फंक्शनल टीम (एक उत्तरदायी और निरंतरता कार्यालय) स्थापित करने की संभावना पर विचार किया। उपयुक्त क्रॉस फंक्शनल टीम परिषद के विभिन्न विंगों की गतिविधियों का समन्वय कर सकती है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने विभिन्न परिदृश्यों के तहत प्रबंधन निर्णय लेने की एक प्रभावी प्रक्रिया विकसित की।

मैं राज्य और संस्थागत प्रमुखों, संकाय और छात्रों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने आभासी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और कार्यक्रमों की सफलता में योगदान दिया है। आखिरकार, हमने सीखा है कि उत्पादक काम करने के लिए, कोई बाधा नहीं है। हमें रास्ता खोजने और बनाने की जरूरत है!

मैं **डॉ. श्रीधर श्रीवास्तव निदेशक एन.सी.ई.आर.टी.** को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने 11 राज्यों के एन.सी.ई.आर.टी. और एस.सी.ई.आर.टी. निदेशकों के साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. - यूनेस्को के चेयर आत्मनिभर भारत -राष्ट्रीय आभासी ऑनलाइन परामर्श कार्यशाला में हम सभी का ज्ञानवर्धन किया। परिषद प्रायोगिक तौर पर लर्निंग पर लगातार काम कर रही है और एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा यूनेस्को चेयर से सम्मानित किए जाने के प्रयासों का फल है। मैं एस.सी.ई.आर.टी. के साथ सहयोग करने के संदर्भ में शानदार यात्रा के लिए तत्पर हूं और रणनीति को लागू करने के लिए उनके इनपुट का इंतजार कर रहा हूं। यह पहचानना और उजागर करना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक राज्य और जिला अपने तरीके से अद्वितीय है। इससे स्थानीय ट्रेडों और कारीगरों की पहचान आसान होगी और स्कूल स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से उन्हें बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देती है जिसके परिणामस्वरूप मुख्यधारा की शिक्षा में इसका सहज एकीकरण होगा।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने सेल की गतिविधियों की सहायता और निगरानी के लिए व्यावसायिक शैक्षिक प्रकोष्ठों के माध्यम से **स्थायी समितियों का गठन** करने का आहवान किया है, जिसके परिणामस्वरूप

संस्थागत और क्लस्टर कार्यशालाएं

- व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम-अनुभवात्मक अधिगम (वी.ई.एन.टी.ई.एल.)
- सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता एवं ग्रामीण व्यस्त्स्ता कोशिकाओं (एस.ई.एस.आर.ई.सी.)
- ग्रामीण उद्यमिता विकास कोशिकाओं (आर.ई.डी.सी.) / एफ.पी.ओ. / पांचवें वेतन आयोग-बिजनेस स्कूलों कनेक्ट कोशिकाओं (एफ.बी.एस.सी.

कुल कार्यशालाएं - परिणाम - संचयी स्थिति - अप्रैल 20-Mar 21

सेल प्रयास के संस्थागतकरण के लिए गठित!

भारत में 25% से अधिक उच्च शिक्षा संस्थान एक्शन में!

संस्थागत कार्यशालाएं	कार्यशालाएं	कार्य योजनाएं	प्रतिभागी
व्यावसायिक शिक्षा	871	38108	42773
सामाजिक उद्यमिता	742	11675	36103
ग्रामीण प्रबंधन	887	9379	39029
कुल	**2496**	**57593**	**110618**
क्लस्टर कार्यशालाएं	**कार्यशालाएं**	**कार्य योजनाएं**	**प्रतिभागी**
व्यावसायिक शिक्षा	280	3662	9096
सामाजिक उद्यमिता	80	2260	2737
ग्रामीण प्रबंधन	461	2202	7304
स्वच्छता कार्य योजना	303	1843	9012
कुल	**1124**	**9967**	**28149**

लंबे समय में आत्मनिष्ठता का परिणाम होगा। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि प्रक्रिया शुरू हो गई है, अच्छी गति और पहले से ही ***15 स्थायी समितियां बनाई जा चुकी हैं।***

एम.जी.एन.सी.आर.ई. की इच्छा ने प्रभावी ढंग से काम करने के लिए एक योजना के साथ कार्यक्रम शुरु की है। कुलपति, निदेशक, संस्थानों के प्रमुख और प्रमुख हितधारकों ने हमारे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यक्रम के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उ.शि.सं. और मेंटी संस्थानों में कोशिकाओं का गठन, पहचान किए गए स्वच्छता रैंक उ.शि.सं. का एक संचयी प्रयास था। कार्यशालाएं व्यावसायिक गतिविधि, आत्मनिर्भरता, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामुदायिक सहभागिता को लागू करने पर थीं।

एक सफल कार्य योजना संस्थान के मानदंडों को पूरा करने के लिए संस्थानों को मान्यता प्रमाण पत्र जारी किए गए थे। ये संस्थान- संस्थान स्तर, जिला स्तर और क्लस्टर स्तर पर प्रतियोगिताओं के लिए पात्र बन जाते हैं। क्षेत्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में बेस्ट एक्शन / बिज़नेस प्लान प्रविष्टियों को प्रदर्शित किया जाएगा। जिन छात्रों ने गतिविधि में भाग लिया और कार्य / व्यवसाय को सफलतापूर्वक लागू किया, उन्हें अपने संबंधित संस्थानों से ब्रांड एंबेसडर के रूप में मान्यता दी जाएगी। इन छात्रों को स्वैच्छिक आधार पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ काम करने का अवसर मिलेगा।

व्यावसायिक अनुसंधान, सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण उद्यमिता में कार्रवाई अनुसंधान परियोजनाएं आयोजित की गईं। कार्य अनुसंधान परियोकनाओं में शामिल हैं - नियोजित सुधार को लागू करने की कार्रवाई; मॉनिटर और कार्रवाई के प्रभावों का वर्णन; कार्रवाई के परिणामों का मूल्यांकन; और अभ्यास में सुधार की योजना बनाएं। स्वच्छता पहलुओं पर परिचयात्मक कार्यशालाएँ आयोजित की गईं और ज्ञान साझा करने के क्षेत्रों में कैम्पस में स्वच्छता के पहलुओं को शामिल किया गया; कैंपस जल शक्ति (परिसर में जल वार्तालाप); और कैम्पस-पोस्ट कोविड 19 स्वच्छता योजना। नतीजतन 1843 स्वच्छता कार्य योजना समितियों का गठन किया गया।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

अपनी क्षमता निर्माण पहल के एक भाग के रूप में, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने उ.शि.सं. के साथ नेटवर्क किया है ताकि तालमेल ग्रामीण भारत के कमजोर वर्गों के लिए सामाजिक और आर्थिक रूप से समावेशी और मानव संसाधनों का विकसित किया जा सके। हमने कार्य और शिक्षा के संबंध को बहुत अच्छी तरह से जोड़ा है। ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम को ग्रामीण प्रबंधन क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसर के रूप में प्रचारित किया गया। ऊ.शि.सं. में उद्यमिता प्रकोष्ठों के गठन के प्रयासों का नेतृत्व किया। देश की वृद्धि के लिए ग्रामीण प्रबंधन पेशेवरों की आवश्यकता है।

टीम के सदस्यों के साथ प्रभावी संचार सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती थी। यह खुशी की बात है कि दुनिया एक लचीलापन से गुजर रही है और एम.जी.एन.सी.आर.ई. इसी का हिस्सा है। जारी असंतोष के बीच, यह महत्वपूर्ण है कि हम चीजों की वास्तविक प्रकृति का पता लगाएं और साहस के साथ कार्रवाई करें। इस स्थिति से हमें अपने सोचने के तरीके को बदलने का अवसर मिलना चाहिए और न केवल अपने और अपने संगठन के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए भी कार्य करना चाहिए। अगर हम कार्रवाई नहीं करेंगे तो कुछ भी नहीं बदलेगा। हमें मौजूदा कार्य मॉडल को फिर से परिभाषित करने, पुनर्परिभाषित करने और गंभीरता से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

मैं आगामी वर्ष में महान शिक्षा की आशा करता हूं!

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. यूनेस्को चेयर - आत्मनिर्भर कार्यशाला
अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता

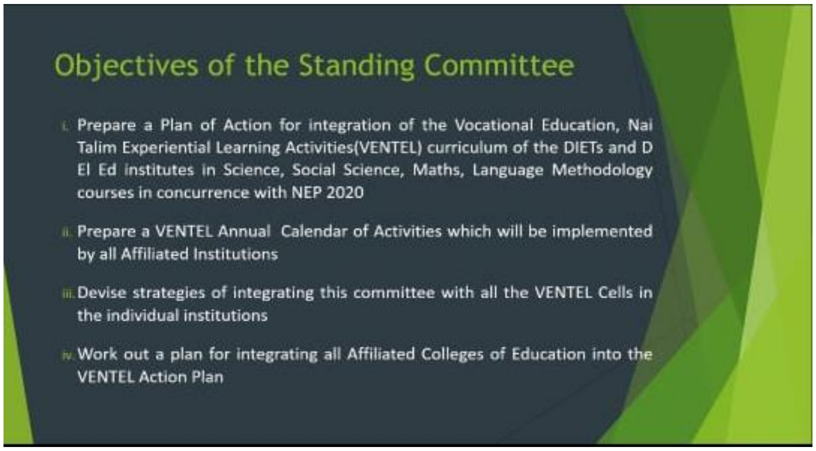

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अनुभवात्मक शिक्षा, गांधीजी की नई तालीम और व्यावसायिक शिक्षा जैसे पहलुओं को शामिल करना है जो स्कूली पाठ्यक्रम में ग्रामीण चिंता का विषय हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के पास नई तालीम पर नामित यूनेस्को चेयर है, जिसके भाग के रूप में एम.जी.एन.सी.आर.ई. स्कूली पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने पर काम कर रहा है। कार्यक्रम दो सत्रों में एक साथ आयोजित किया गया था। पहले सत्र में एन.सी.ई.आर.टी. और एस.सी.ई.आर.टी. (सिक्किम, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के अलावा राज्यों से) के निदेशकों के साथ-साथ उनके स्टाफ और शिक्षण संकाय सदस्यों को पाठ्यक्रम विकास के लिए शामिल किया गया था। दूसरे सत्र में सिक्किम, तमिलनाडु के एस.सी.ई.आर.टी. के निदेशकों, उप-निदेशकों और संयुक्त निदेशकों और आंध्र प्रदेश के संयुक्त निदेशक रेंज के अधिकारियों से तैयार प्रतिभागियों को शामिल किया गया। अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की व्याख्या करते हुए कहा, "***वर्तमान कार्यशाला सभी हितधारकों को मुख्यधारा के अनुभवात्मक अधिगम और व्यावसायिक शिक्षा को स्कूली शिक्षा में एक मंच पर लाने के लिए हैं।***" उन्होंने एस.सी.ई.आर.टी. के साथ सहयोग करने और रणनीति को लागू करने के लिए अपने इनपुट के लिए तत्पर रहने के संदर्भ में शानदार यात्रा पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में संबोधित करते हुए एस.सी.ई.आर.टी. के निदेशक उत्तर प्रदेश डॉ. सर्वेंद्र विक्रम बहादुर सिंह

क्र. सं.	आत्मनिर्भर कार्यशालाएँ - मार्च 2021 स्थायी समितियों का गठन
1	एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा
2	एस.सी.ई.आर.टी. सिक्किम
3	एस.सी.ई.आर.टी. नागालैंड
4	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय
5	जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी जे.एन.टी.यू. काकीनाडा
6	नल्ला मुथु गाउंडर महालिंगम कॉलेज (स्वायत्त) (भारथिअर विश्वविद्यालय) पोलाची तमिलनाडु
7	जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी जे.एन.टी.यू. हैदराबाद
8	कर्पगम एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, कोयंबटूर तमिलनाडु
9	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश
10	गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली
11	उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद
12	तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय टी.एन.टी.ई.यू.
13	सातवाहन विश्वविद्यालय, तेलंगाना
14	डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या यू.पी.
15	महात्मा गांधी विश्वविद्यालय नलगोंडा तेलंगाना

एम.जी.एन.सी.आर.ई. यूनेस्को चेयर - आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम

एन.सी.ई.आर.टी. और एस.सी.ई.आर.टी. के निदेशकों के साथ ऑनलाइन परामर्श कार्यशाला 19 मार्च को आयोजित की गई थी। मुख्य अतिथि, एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक डॉ. श्रीधर श्रीवास्तव ने फैकल्टी हैंडलिंग मेथोडोलॉजी कोर्सेज के साथ-साथ एस.सी.ई.आर.टी. के पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के निदेशकों / प्रतिनिधियों को संबोधित किया। स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, गांधीजी की नई तालीम और व्यावसायिक शिक्षा पर अनुभवात्मक शिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

डॉ. श्रीधर श्रीवास्तव ने विभिन्न व्यावसायिक क्षमताओं में काम करने के अपने अनुभव के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, *"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बहुत सारे पृष्ठभूमि के काम होने हैं और आगे की राह में अंतर्दृष्टि प्रदान करने में इस बैठक के विचार-विमर्श बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस नेटवर्क का उपयोग विचारों और अनुभवों के मानचित्रण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ.) के लिए विचारों को तैयार करने के लिए किया जा सकता है। 4600 शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान जिनमें वी.ई.एन.टी.ई.एल. सेल स्थापित हैं और इस नेटवर्क का उपयोग देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों में संदेश फैलाने के लिए किया जा सकता है। यद्यपि सिद्धांत शैक्षिक संस्थानों द्वारा प्रदान किया जाना है, लेकिन व्यावहारिक अनुभव और जोखिम केवल एन.सी.ई.आर.टी. से जुड़े शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों में प्रदान किया जाना है। **यह अभ्यास प्रत्येक जिले और राज्य के लिए विशिष्ट स्थानीय ट्रेंडों की पहचान करने में सहायक होगा।**"* उन्होंने डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सराहना की जिन्होंने लोगों की समृद्ध प्रसिद्ध मनुष्यों की मंडली को एक मंच पर लाया।

हितधारकों में उपलब्ध मानार्थ कौशल सेट का उपयोग करके एक जीवंत भारत बनाने में पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए एक साथ काम करने की एक विशाल अवसर है।

पीएसएस सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.), भोपाल के संयुक्त निदेशक, प्रोफेसर राजेश पी. खंबायत।

उन्होंने कहा कि ऊष्मायन केंद्र व्यावसायिक अवसरों की पहचान करने में छात्रों की मदद करेंगे; वित्तीय सहायता तक पहुंच; और उनके उद्यम का शुभारंभ कैसे करें। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.), 2020 की सुंदरता है जो छात्रों के लिए अवसरों की खिड़की खोलती है। आत्मनिभर भारत अवसरों का निर्माण करके ग्रामीण भारत को मजबूत बनाने के बारे में है। प्रो. खंबायत ने एस.सी.ई.आर.टी. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा कार्यशालाओं के आयोजन और स्कूल पाठ्यक्रम के लिए संसाधन सामग्री और पाठ्य पुस्तकों को विकसित करने के लिए आवश्यक सभी सहायता को बढ़ाया। उन्होंने देखा कि, स्कूल के पाठ्यक्रम डोमेन में व्यावसायिक शिक्षा में नवाचार के लिए बहुत गुंजाइश है।

मुख्य वक्ता श्री सुरभि सूरी, शिक्षक, शोधकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और श्री चिंतन गांधी संकाय एन.आई.डी. थे।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. यूनेस्को चेयर - आत्मनिर्भर कार्यशाला
अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता

एस.सी.ई.आर.टी. नागालैंड एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने एक दिवसीय शिक्षा के लिए स्थायी समितियों के गठन और छात्रों में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने पर ध्यान देने के साथ एस.सी.ई.आर.टी. में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य एस.सी.ई.आर.टी. के हितधारकों की क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था, जो कि सामुदायिक शिक्षा, प्रयोगात्मक शिक्षा और कार्य शिक्षा से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण, प्रलेखन गतिविधियों की एकीकृत प्रणाली के लिए मुख्य रूप से शिक्षक शिक्षा और स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम में एन.ई.पी. 2020 पर आधारित नई तालीम पर ध्यान केंद्रित किया गया है। स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम। नगालैंड एस.सी.ई.आर.टी. के निदेशक, श्री एन.सी. किकोन और डॉ. ज़वीस शैक्षिक मार्गदर्शन और परामर्श और व्यावसायिक शिक्षा प्रभारी एस.सी.ई.आर.टी. के प्रोफेसर ने कार्यशाला में भाग लिया।

एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा - कार्यशाला के परिणाम थे - एक स्थायी समिति गठित की गई और कार्यवाही का मसौदा तैयार किया गया। प्रतिभागियों ने आत्मनिर्भर भारत, स्थानीय और एन.ई.पी. 2020 के लिए मुखर और व्यावसायिक शिक्षा -नई तालीम -अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) गतिविधियों के बीच स्पष्टता प्राप्त की।

डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या - आत्मनिर्भर भारत कार्यशाला 27 मार्च को आयोजित की गई थी। मुख्य अतिथि प्रो. एस. एन. शुक्ला पूर्व प्रो. कुलपति और निदेशक शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ। बी.एड. के छात्रों के साथ विभिन्न कॉलेजों के 25 प्रोफेसरों / प्राचार्यों ने भाग लिया। और एम.एड. डॉ. लोहिया महिला पीजी कॉलेज अयोध्या

जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी जे.एन.टी.यू. काकीनाडा अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, शिक्षुता माध्यम से आत्मनिर्भर भारत पर एक दिवसीय कार्यशाला और उद्यमिता के- इस संदर्भ में, प्रोफेसर जी.वी.आर. प्रसाद राजू, जे.एन.टी.यू. काकीनाडा के रेक्टर ने अपने संबोधन में संकाय सदस्यों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी। छात्रों को आत्मनिर्भर बनने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों के बारे में पता है। छात्रों को एक व्यावसायिक अवसर में उपलब्ध संसाधनों को परिवर्तित करने में सक्षम होना चाहिए और रोजगार के अवसरों की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। उन्हें रोजगार देने की स्थिति में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की पहल से मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल जैसी अवधारणाओं को उच्च शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया जाना चाहिए।

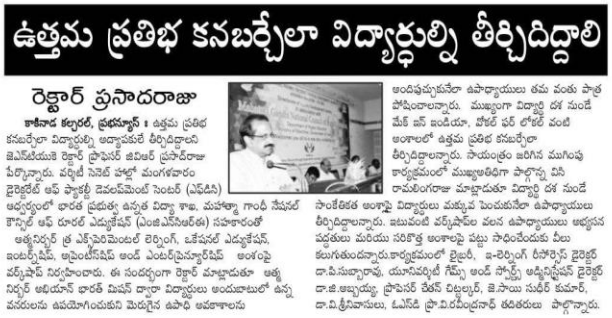

ఉత్తమ ప్రతిభ కనబర్చేలా విద్యార్థుల్ని తీర్చిదిద్దాలి

రెక్టార్ ప్రసాదరాజు

కాకినాడ కల్చరల్, ప్రభన్యూస్ : ఉత్తమ ప్రతిభ కనబర్చేలా విద్యార్థుల్ని అధ్యాపకులే తీర్చిదిద్దాలని జెఎన్‌టియుకె రెక్టార్ ప్రొఫెసర్ జివిఆర్ ప్రసాద్‌రాజు పేర్కొన్నారు. వర్సిటీ సెనెట్ హాల్లో మంగళవారం డైరెక్టరేట్ ఆఫ్ ఫ్యాకల్టీ డెవలప్‌మెంట్ సెంటర్ (ఎఫ్‌డిసి) ఆధ్వర్యంలో భారత ప్రభుత్వ ఉన్నత విద్యా శాఖ, మహాత్మా గాంధీ నేషనల్ కౌన్సిల్ ఆఫ్ రూరల్ ఎడ్యుకేషన్ (ఎంజిఎన్‌సిఆర్‌ఈ) సహకారంతో ఆత్మనిర్భర్ త్ర ఎక్స్‌పెరిమెంటల్ లెర్నింగ్, ఒకేషనల్ ఎడ్యుకేషన్, ఇంటర్న్‌షిప్, అప్రెంటిస్‌షిప్ అండ్ ఎంటర్‌ప్రెన్యూర్‌షిప్ అంశంపై వర్క్‌షాప్ నిర్వహించారు. ఈ సందర్భంగా రెక్టార్ మాట్లాడుతూ ఆత్మ నిర్భర్ అభియాన్ భారత్ మిషన్ ద్వారా విద్యార్థులు అందుబాటులో ఉన్న వనరులను ఉపయోగించుకుని మెరుగైన ఉపాధి అవకాశాలను అందిపుచ్చుకునేలా ఉపాధ్యాయులు తమ వంతు పాత్ర పోషించాలన్నారు. ముఖ్యంగా విద్యార్థి దశ నుండే మేక్ ఇన్ ఇండియా, వోకల్ ఫర్ లోకల్ వంటి అంశాలలో ఉత్తమ ప్రతిభ కనబర్చేలా తీర్చిదిద్దాలన్నారు. సాయంత్రం జరిగిన ముగింపు కార్యక్రమంలో ముఖ్యఅతిథిగా పాల్గొన్న విసి రామలింగరాజు మాట్లాడుతూ విద్యార్థి దశ నుండే సాంకేతికత అంశాపై విద్యార్థులు మక్కువ పెంచుకునేలా ఉపాధ్యాయులు తీర్చిదిద్దాలన్నారు. ఇటువంటి వర్క్‌షాప్‌ల వలన ఉపాధ్యాయులు అభ్యసన పద్ధతులు మరియు సరికొత్త అంశాలపై పట్టు సాధించేందుకు వీలు కలుగుతుందన్నారు.కార్యక్రమంలో లైబ్రరీ, ఇ-లెర్నింగ్ రీసోర్సెస్ డైరెక్టర్ డా.పి.సుబ్బారావు, యూనివర్సిటీ గేమ్స్ అండ్ స్పోర్ట్స్ అడ్మినిస్ట్రేషన్ డైరెక్టర్ డా.జి.అబ్బయ్య, ప్రొఫెసర్ చేతన్ చిట్టల్కర్, జె.సాయి సుధీర్ కుమార్, డా.వి.శ్రీనివాసులు, ఓఎస్‌డి ప్రొ.వి.రవీంద్రనాథ్ తదితరులు పాల్గొన్నారు.

नल्ला मुथु गाउंडर महालिंगम कॉलेज, (स्वायत्त), पोलाची, भारथिअर विश्वविद्यालय - एक दिवसीय कार्यशाला का प्रचार-प्रसार उद्यमिता विकास के रूप में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत - 19 मार्च। जैविक किसान सेल्वराज ने अपने अनुभव साझा किए और कॉलेज के छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्रदान करने की इच्छा व्यक्त की। ससुररी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, श्री जी.वी.जी. कॉलेज, रथिनम कॉलेज, एन.जी.एम. कॉलेज और अंगप्पा कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस के संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। एन.जी.एम. कॉलेज ने एफ.पी.ओ. के साथ 24 एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए और आत्मनिर्भर भारत मिशन को आगे बढ़ाने के लिए आगे की गतिविधियों पर चर्चा की गई।

तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय टी.एन.टी.ई.यू. और एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कोविड 19 महामारी के कारण ऑनलाइन कार्यशालाओं के एक वर्ष के बाद पहली भौतिक कार्यशालाओं में से एक 26 मार्च को पूरे दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। अनुभवात्मक शिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता के माध्यम से "आत्मनिर्भर भारत,

कार्यशाला का उद्देश्य कई प्रशिक्षण कौशल को एक साथ लाना और विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध कॉलेजों में कौशल विकसित करना था। परिणामस्वरूप, उद्देश्य में कारवाई करने के लिए एक स्थायी समिति का गठन किया गया था। अध्यक्षीय भाषण टी.एन.टी.ई.यू. के कुलपति प्रो. एन. पंचनाथम द्वारा दिया गया था। उन्होंने उदाहरण और अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा के बाद उद्यमिता पर अपने विचार साझा किए। प्रो. वी. बालकृष्णन, रजिस्ट्रार टी.एन.टी.ई.यू. फैसिलिटेशन एड्रेस प्रोफेसर एम. गोविंद और संकाय टी.एन.टी.ई.यू. के डीन ने दिया जिन्होंने खुशी जाहिर की कि आगामी सेमेस्टर से ऐच्छिक पेपर के रूप में वह अनुभवात्मक शिक्षण, कार्य शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता की शुरुआत की जा रही है। इस अवसर पर डॉ. पी.सी. नागा सुब्रमणि और डॉ. डी.पी. सरवनन असिस्टेंट प्रोफेसर और वेंटेल अधिकारी ने भी बात की। डॉ. वी. शर्मिला असिस्ट प्रोफेसर और वेंटेल अधिकारी ने स्थायी समिति के अवलोकन का वर्णन किया और स्थायी समिति की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए अंतर्दृष्टि, ओवरव्यू और इनपुट लेने के लिए समूह चर्चा की गई। 50 से अधिक सरकारी और संबद्ध कॉलेजों का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 से अधिक प्रतिभागी थे।

रजिस्ट्रार टी.एन.टी.ई.यू., प्रो. वी. बालकृष्णन, कुलपति प्रो. एन.पंचनाथम, *एम.जी.एन.सी.आर.ई. रिसोर्स पर्सन, प्रो. एम. गोविंदन, फैकल्टी के डीन, टी.एन.टी.ई.यू., डॉ. पी.सी. नागा सुब्रमणि, एन.एस.एस. कोऑर्डिनेटर*

प्रगति में एन.एस.एस. गतिविधि

सातवाहन विश्वविद्यालय, तेलंगाना - 26 मार्च - आत्मनिर्भर भारत पर एक दिवसीय ऑफ़लाइन कार्यशाला। एक स्थायी समिति गठित की गई। वी.ई.एन.टी.ई.एल. सेल के कार्य और जिम्मेदारियों, कार्यप्रणाली और कार्य योजना पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रो। भरत इंचार्ज रजिस्ट्रार, डॉ। मनोहर प्रिंसिपल एम.बी.ए. यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एस.यू., डॉ. जफर जेरई, प्रिंसिपल आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज यूनिवर्सिटी कॉलेज, और संबद्ध बी.एड. कॉलेज के प्रिंसिपलों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश - 22 मार्च - अनुभवात्मक शिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एस.वी.यू. में प्रबंधन विभाग के प्रमुख पी. पी. रघुनाथ रेड्डी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला और इस समय आत्मनिर्भरता हासिल की। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्रिंसिपल प्रो. एम. श्रीनिवास रेड्डी ने उद्यमिता के महत्व और उन क्षेत्रों में अपने बहुमूल्य विचार साझा किए, जिनमें व्यावसायिक अवसर उपलब्ध हैं।

उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद - 23 मार्च - विश्वविद्यालयीन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद, तेलंगाना के सहयोग से अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता के माध्यम से एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन और इसके संबद्ध कॉलेज ऑफ एजुकेशन के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो. ए. रामकृष्ण, शिक्षा विभाग के प्रमुख, उस्मानिया विश्वविद्यालय ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा के पहलुओं की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला के एक भाग के रूप में एक स्थायी समिति का गठन किया गया और गतिविधियों का एक कैलेंडर और एक मॉडल पाठ योजना बनाई गई जिसमें व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक अधिगम गतिविधियाँ शामिल की गईं।

जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी जेएनटीयू हैदराबाद - 20 मार्च - अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, शिक्षुता और उद्यमिता के माध्यम से आत्मानबीर भारत पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। रेक्टर डॉ. ए गोवर्धन ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत पर युवाओं को संबोधित करना बहुत महत्वपूर्ण है और छात्रों को नवीन विचारों के साथ आना चाहिए। रजिस्ट्रार डॉ. एम. मंज़ूर हुसैन ने छात्रों को सेल्फी के लिए प्रेरित किया। सामाजिक उद्यमिता के पाठ्यक्रम एकीकरण के लिए स्थायी समिति का गठन करके कार्यशाला का समापन हुआ।

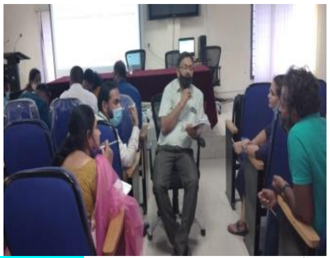

कर्पगम अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन, कोयंबटूर तमिलनाडु - 20 मार्च - आत्मनिर्भर भारत पर कार्यशाला

एक दिवसीय की महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, नल्गोंडा तेलंगाना, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली, एस.सी.ई.आर.टी. सिक्किम और उत्तर बंगाल विश्वविद्यालयभी कार्यशाला आयोजित की

यू.बी.ए. की गतिविधियां

आर.सी.आई., एम.जी.एन.सी.आर.ई. के तहत उन्नत भारत अभियान के भाग लेने वाले संस्थानों के लिए सामाजिक उद्यमिता कार्यान्वयन प्रतियोगिता - मार्च 2021

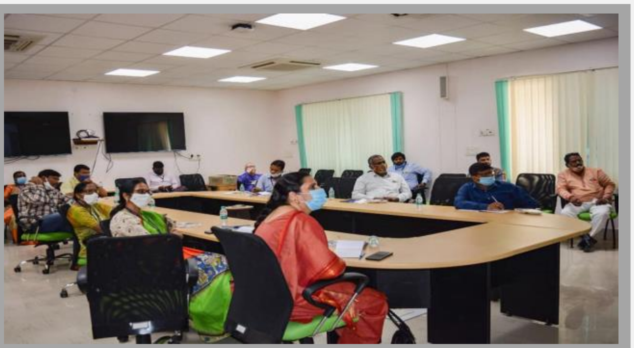

यू.बी.ए. कार्यक्रम - 19 मार्च - डॉ. डी. शैलजा, मुख्य वैज्ञानिक और अध्यक्ष, सी.एस.आई.आर.-आई.आई.सी.टी., हैदराबाद ने इस कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण सरपंच और पंचायत सचिवों के साथ उन्नत भारत अभियान के सहभागी संस्थानों के साथ बातचीत की - ग्रामीण उद्यमिता के लिए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन: एक यू.बी.ए.- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर.) और विज्ञान भारती (विभा) के सहयोग से उन्नत भारत अभियान आर.सी.आई. एम.जी.एन.सी.आर.ई., आई.आइ.सी.टी. द्वारा आयोजित सी.एस.आई.आर.विभा पहल।

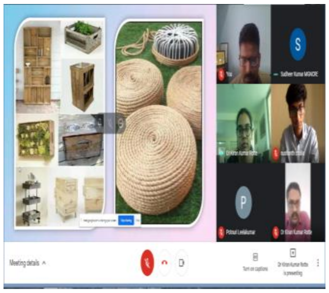

विवेकानंद डिग्री एंड पी.जी. कॉलेज, करीमनगर के एक छात्र उद्यमी द्वारा कार्यान्वित अपसाइकलिंग (घर के अपशिष्ट से सजावट की वस्तुओं) की अवधारणा

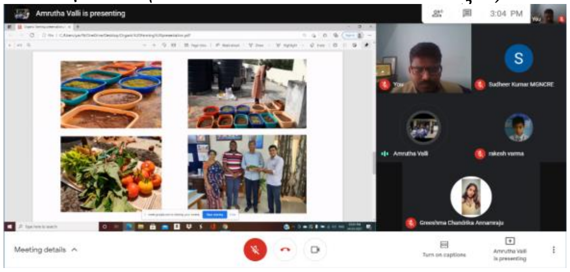

सामाजिक उद्यमिता गतिविधि-जैविक खेती का अनुभव भवन के विवेकानंद कॉलेज ऑफ साइंस, मानविकी और वाणिज्य के छात्रों द्वारा साझा किया जा रहा है

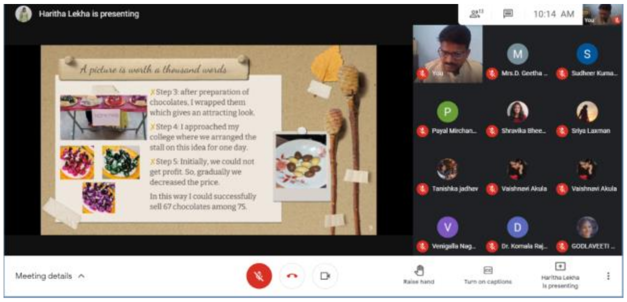

एक उद्यमिता गतिविधि के रूप में घर का बना चॉकलेट बेचना, एक छात्र द्वारा साझा किया गया अनुभव

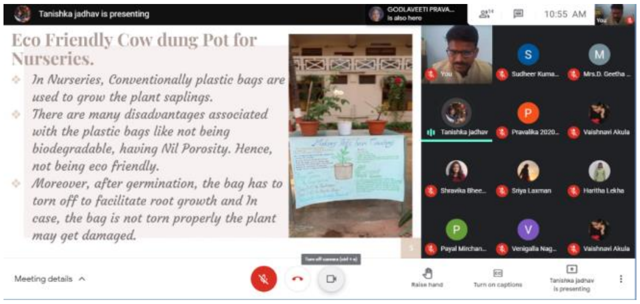

सामाजिक उद्यमिता गतिविधि के रूप में निकटतम नर्सरी में गाय के गोबर के बर्तन बेचने वाले छात्र

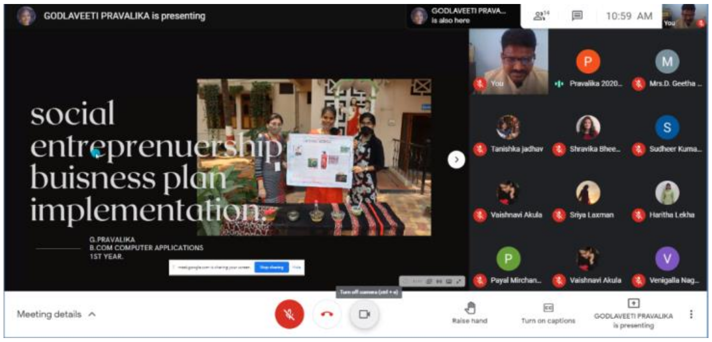

सामाजिक उद्यमिता गतिविधि के रूप में कॉलेज के परिसर में प्राकृतिक उपज से हाथ से बने शैम्पू बेचने वाले छात्र

18 मार्च को यू.बी.ए. प्रतिभागी संस्थान, सेंटपियस एक्स डिग्री और पीजी कॉलेज फॉर वीमेन द्वारा सोशल एंटरप्रेन्योरशिप कार्यान्वयन - सोशोबिज़ 2021 का आयोजन किया गया था, जिसका उद्देश्य नवोदित उद्यमियों को छोटे, सामाजिक और अभिनव व्यवसाय की योजना बनाने और निष्पादित करने के लिए प्रोत्साहित करना था। छात्रों ने हाथ से बने कला, शिल्प, घर के बने खाद्य पदार्थों, पर्यावरण के अनुकूल वस्तुओं और आर्ट गैलरी की प्रदर्शनी और बिक्री के लिए 27 स्टाल लगाए। कार्यक्रम का उद्घाटन संवाददाता श्रीजपमाला और प्रिंसिपल सीनवेलिनी द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों द्वारा निष्पादित किए गए अभिनव विचारों और प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। आयोजन के प्रतिभागियों को छात्रों और कर्मचारियों सहित 1000 से अधिक आगंतुकों द्वारा सराहा गया।

यू.बी.ए. प्रतिभागी संस्थानों द्वारा आयोजित सामाजिक उद्यमिता कार्यान्वयन

"सच्ची शिक्षा आसपास की परिस्थितियों के अनुरूप होनी चाहिए या यह एक स्वस्थ विकास नहीं है।" - महात्मा गांधी

गतिविधियों का सारांश - व्यावसायिक शिक्षा- नई तालीम- अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.)
सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण व्यस्तता प्रकोष्ठ (एस.ई.एस.आर.ई.)
ग्रामीण उदयमिता विकास (आर.ई.डी.)

सकाय विकास कार्यक्रम

केस चर्चा पद्धति

ग्रामीण प्रबंधन और ग्रामीण उद्यमिता

केस चर्चा पर **दो** 5-दिवसीय **संकाय विकास कार्यक्रमों** का आयोजन मैनेजमेंट फैकल्टी के लिए 23 - 27 मार्च को एफ.डी.सी. एन.सी.आर.सी. द्वारा किया गया।

1. 37 प्रतिभागियों के साथ गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी अहमदाबाद गुजरात में एफडीपी

2. 46 प्रतिभागियों के साथ वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय सूरत में एफडीपी

प्रकरण चर्चा पद्धति पर एफडीपी के उद्देश्य थे -

- शिक्षण की अनुभवात्मक अधिगम विधियों की सराहना करना
- केस टीचिंग मेथैडोलॉजी से परिचित होना
- किसी मामले का विश्लेषण करना और उसकी समझ बनाना
- कौशल के विकास को बढ़ावा देने के लिए: संचार, सक्रिय शिक्षण, महत्वपूर्ण सोच, निर्णय लेने और अभिज्ञेय कौशल
- पाठ्यक्रम सामग्री ज्ञान को लागू करने के लिए, ज्ञान पर प्रतिबिंबित करें
- ग्रामीण प्रबंधन और ग्रामीण उद्यमिता सिखाने के लिए केस चर्चा का उपयोग करने के लिए

एफ.डी.पी. की झलक

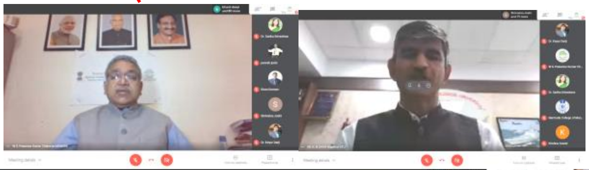

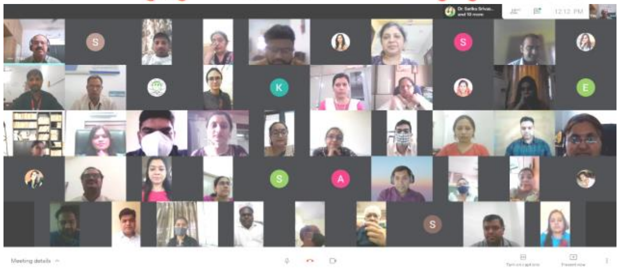

केस चर्चा पद्धति समस्या समाधान में प्रशिक्षण के लिए एक आवश्यक अनुभवात्मक अधिगम पद्धति है। कार्यक्रमों में प्रबंधन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से ग्रामीण विपणन के लिए केस चर्चा पद्धति प्रस्तावित है। एफ.डी.पी. छात्रों को बुनियादी विश्लेषणात्मक, निर्णय लेने और व्यक्तिगत कौशल प्रदान करता है। केस चर्चा पद्धति एक निर्देशात्मक पद्धति है (सिद्धांत नहीं) जो उन स्थितियों के आधार पर निर्दिष्ट परिदृश्यों को संदर्भित करती है जिनमें छात्र अवलोकन, विश्लेषण, रिकॉर्ड, कार्यान्वयन, निष्कर्ष, सारांश या अनुशंसा करते हैं। केस स्टडीज का निर्माण और विश्लेषण और चर्चा के लिए एक उपकरण के रूप में किया जाता है।

एफ.डी.पी. प्रभाव- एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित केस डिस्कशन मेथडोलॉजी पर एफ.डी.पी. जारी रखने के लिए, संकाय सदस्यों ने अपने संबंधित संस्थानों में केस चर्चा पद्धति को लागू करना शुरू कर दिया है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. को संस्थागत स्तर पर तीन सर्वोत्तम कार्यान्वित व्यावसायिक योजनाएँ और क्लस्टर स्तर पर नौ सर्वोत्तम कार्यान्वित व्यावसायिक योजनाएँ प्राप्त होंगी। संस्थागत सेल व्यावसायिक / उद्यमशीलता गतिविधियों को बढ़ावा देने और अपने विचारों को बढ़ावा देने के लिए जारी रहेगा और इस प्रकार सामाजिक परिवर्तन के लिए काम करेगा।

जो छात्र गतिविधि में भाग लेते हैं और सफलतापूर्वक कार्य / व्यवसायिक योजनाओं को लागू करते हैं, उन्हें अपने संबंधित संस्थानों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में मान्यता दी जाएगी। इन छात्रों को स्वैच्छिक आधार पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ काम करने का अवसर मिलेगा।

ग्रामीण उदयमिता विकास (आर.ई.डी.)

एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं - मार्च 2021

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	छात्रों द्वारा व्यवसाय योजना / कार्य योजना	प्रतिभागियाँ (छात्र / शिक्षक)
1	छत्तीसगढ	1	2	32
2	हरियाणा	1	3	102
3	तेलंगाना	17	75	612
4	केरल	13	2	362
5	महाराष्ट्र	8	32	221
6	पंजाब	6	37	135
7	तमिलनाडु	11	63	541
	कुल	**57**	**211**	**2005**

राउंडटेबल - भारथिअर यूनिवर्सिटी कोयंबटूर - इंडस्ट्री एकेडमिया के लिए और ग्रामीण प्रबंधन में पी.जी.डी.एम. से परिचय - 18 मार्च

- 15 कार्य अनुसंधान रिपोर्ट प्रस्तुत की
- 4 बी.बी.ए. आर.एम. पाठ्य पुस्तकें संकलित
- 25 ऑडियो विजुअल सबक रिकॉर्ड किए गए
- विशेषज्ञता साझा करने के लिए श्री पद्मावती कॉलेज तिरुपति द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन
- एम.ओ.यू. ने भारतीय निर्यात संगठन के फेडरेशन के साथ प्रवेश किया - एफ.आई.ई.ओ. ग्रामीण भारत के लिए उपयुक्त कार्यक्रम डिजाइन करेगा और संबंधित विषयों के संबंधित संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित करेगा और प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के आयोजन में एम.जी.एन.सी.आर.ई. में शामिल होगा। कार्यशाला "एफ.पी.ओ. - बिजनेस स्कूल कनेक्टिविटी सेल, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप" पर - 30 मार्च

व्यावसायिक शिक्षा- नई तालीम- अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.)

एक -दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं - मार्च 2021

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	छात्र द्वारा कार्य योजनाएं	प्रतिभागियाँ (छात्र / शिक्षक)
1	जम्मू और कश्मीर	1	12	20
2	आंध्र प्रदेश	9	73	105
3	हरियाणा	3	105	175
4	महाराष्ट्र	6	210	210
5	उत्तर प्रदेश	27	360	575
	कुल	**45**	**748**	**1065**

- 12 कार्य अनुसंधान रिपोर्ट प्रस्तुत की
- क्षेत्रीय स्तर के सम्मेलन के लिए क्लस्टर स्तर की प्रतियोगिताओं और चयनों का आयोजन

सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण व्यस्तता (एस.ई.एस.आर.ई.) – एक - दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं - मार्च 2021

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	छात्र द्वारा कार्य योजनाएं	प्रतिभागियाँ (छात्र / शिक्षक)
1.	आंध्र प्रदेश	5	30	244
2.	अरुणाचल प्रदेश	3	18	170
3.	असम	3	18	174
4.	बिहार	1	6	60
5.	गोवा	1	6	42
6.	गुजरात	1	6	34
7.	हरियाणा	2	12	57
8.	हिमाचल प्रदेश	3	13	125
9.	जम्मू और कश्मीर	1	6	28
10.	झारखंड	2	6	114
11.	केरल	2	10	119
12.	मध्य प्रदेश	14	79	425
13.	महाराष्ट्र	20	112	776
14.	मणिपुर	1	6	100
15.	मेघालय	1	6	22
16.	नगालैंड	1	6	41
17.	ओडिशा	3	18	64
18.	पंजाब	5	30	189
19.	राजस्थान Rajasthan	6	36	206
20.	तमिलनाडु	13	72	511
21.	तेलंगाना	6	36	271
22.	त्रिपुरा	2	9	79
23.	उत्तार प्रदेश	1	4	20
24.	उत्तराखंड	1	5	28
25.	पश्चिम बंगाल	4	22	171
	कुल	**102**	**572**	**4070**

- 36 संस्थानों ने अपने संस्थान में महिला दिवस मनाया और एस.ई.एस.आर.ई. सेल कार्य योजना के तहत अपनी रिपोर्ट भेजें।

प्रतियोगिताएं - परिणाम - 19 क्लस्टर स्तर की प्रतियोगिता विभिन्न राज्यों (तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना आदि) में आयोजित की गई थी, और 162 छात्रों को क्षेत्रीय स्तर के सम्मेलन के लिए नामांकित किया गया था।

- • 8 कार्य अनुसंधान परियोजनाएं प्रस्तुत किए

प्रबंध निदेशक, इंदिरा गाँधी जयंती स्मारक शैक्षिक सांस्कृतिक और धर्मार्थ ट्रस्ट विष्णुपुरम और रजिस्ट्रार एम.जी.एन.सी.आर.ई. कार्यालय का दौरा किया और अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. और कर्मचारियों के साथ कई विषयों पर विचार-विमर्श किया

एम.जी.एन.सी.आर.ई. का ई-लर्निंग सेंटर - लगातार वीडियो पाठ विज्ञान, दर्शनशास्त्र, अंग्रेजी, ग्रामीण प्रबंधन, सामाजिक उद्यमिता और कई अन्य विषयों में मंथन कर रहा है। वितीय वर्ष 2020-21 में कुल 412 वीडियो पाठ रिकॉर्ड किए गए, संपादित किए गए और अपलोड किए गए।

प्रगति में वीडियो रिकॉर्डिंग - उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद के शिक्षक शिक्षा विभाग

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा विकसित पाठ्यचर्या (ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित) पर आधारित बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम (अंग्रेजी और तमिल) के लिए वित्त वर्ष 2020-21 में कुल 29 पाठ्यपुस्तकों को संकलित किया गया था .. एक रिकॉर्ड उपलब्धि! विषय में ग्रामीण वित्त, कृषि विज्ञान, परियोजना प्रबंधन, प्रबंधन निर्णय लेने के उपकरण, ग्रामीण राजनीति, ग्रामीण पारिस्थितिकी और संबंधित क्षेत्र शामिल हैं।

अंतिम पुस्तकों की झलक -

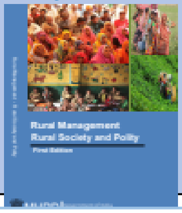

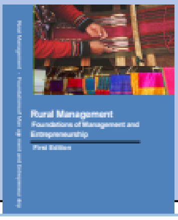

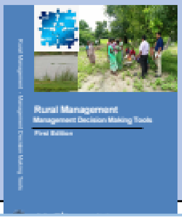

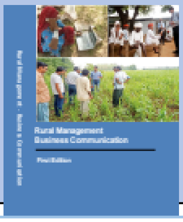

सभी चुनौतियों के बावजूद एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए वित्त वर्ष 2020-21 एक उच्च नोट पर समाप्त हो गया है। हमने अपना जनादेश पूरा किया -

- यूनेस्को की अध्यक्ष- पहल परियोजनाएं- अनुभवात्मक शिक्षण- नई तालीम- सामुदायिक व्यस्तता- पाठ्यक्रम विकास; कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम
- 15 आत्मानिर्भर कार्यशालाएँ - स्थायी समितियाँ गठित
- 35 कार्य अनुसंधान परियोजनाएं
- 52 संकाय विकास कार्यक्रम
- कोविड 19 के दौरान और बाद में स्वच्छ भारत कार्य योजना एफ.डी.पी. / कार्यशालाएँ / संवेदीकरण
- 2496 संस्थागत कार्यशालाएं / 1124 क्लस्टर कार्यशालाएं / 138767 प्रतिभागी / 57593 व्यवसाय / कार्य योजना / 9967 प्रकोष्ठ - **एक अनूठी उपलब्धि** - ये प्रकोष्ठ व्यावसायिक शिक्षा, सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण उद्यमिता में अपनी संस्थागत जिम्मेदारी को आगे बढ़ाएंगे। क्षेत्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों / **राज्य सरकारों, संस्थागत प्रमुखों**, प्रख्यात शिक्षाविदों, विषय विशेषज्ञों में सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक / कार्य योजनाएं प्रदर्शित की जाएंगी।
- बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम में संस्थागत विशेषज्ञता के आपसी साझाकरण के लिए उद्योग अकादमिया / 66 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।
- किसान उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ.) के साथ काम को सुगम बनाना; फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन - एफ.आई.ई.ओ. के साथ समझौता ज्ञापन
- यू.बी.ए. गतिविधियाँ
- बी.बी.ए. ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम और नई तालीम पर 32 पाठ्य पुस्तकें
- 565 शैक्षिक वीडियो
- संसाधन सामग्री और अनिवार्य प्रकाशन

"शांत प्रतिबिंब के साथ प्रभावी कार्यों का पालन करें। शांत प्रतिबिंब से और भी प्रभावी कार्य होगी।" पीटर ड्रक्कर

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पुर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना – 500004
दूरभाष: 040-23212120, 23422105, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक
डॉ. टी. नागलक्ष्मी, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित